

AU-2341

M.A. (Part-I) (Semester-II) Examination
MUSIC (Vocal/Instrumental)
(Madhyakalin Bhartiya Sangitacha Itihas Va Shastra)
(Upto 12 to 17 Century)

Paper—VIII

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80

Note :— (1) Solve **ALL** questions.

(2) Draw diagram where it is necessary.

(3) All questions carry equal marks.

1. (A) Illustrate the relationship between 'Shruti' and 'Swara'.

OR

- (B) Write in detail the fixation of Shuddha and Vikrut Swaras of Pt. Sharangdeo and Pt. Ahobal. 16

2. (A) Write in detail the definition and types of prabandha.

OR

- (B) Explain in detail the after effects of Western Music on Indian Medieval Music. 16

3. (A) Give in detail information of the following Books :

(1) Sangit Ratnakar

(2) Sangit Darpan.

OR

- (B) Analyse 'Nibaddha Gaan' and 'Anibaddha Gaan' in detail. 16

4. (A) Describe the attitude of Ashta Chhap Saint poets towards music.

OR

- (B) Explain in detail the description of the following musical instruments with the help of Medieval music books :

(1) Aalapini

(2) Kinnari.

16

5. Solve the following objective type questions :

(1) Last Dhatu of Prabandha is called :

- | | |
|--------------|------------|
| (a) Abhog | (b) Antara |
| (c) Sanchari | (d) Vadi |

(2) Among the following Saint Poet _____ is not included in Ashta-Chhap Saint Poets.

- | | |
|----------------|-------------------|
| (a) Krushnadas | (b) Surdas |
| (c) Haridas | (d) Parmanand-Das |

(3) Pt. Vyankatmakhi has written :

- | | |
|---------------------|----------------------------|
| (a) Sangit-Ratnakar | (b) Chaturdandi-Prakashika |
| (c) Natyashastra | (d) Bruhaddeshi |

(4) The singing style of Ashta-Chhap Saint Poets is :

- | | |
|-------------|--------------|
| (a) Dhrupad | (b) Prabandh |
| (c) Thumri | (d) Khyal |

(5) Firstly Deshi-Sangit is described in :

- | | |
|---------------------|---------------------|
| (a) Natya-Shastra | (b) Bruhad-Deshi |
| (c) Sangit-Parijaat | (d) Sangit-Ratnakar |

(6) The composition made of 'Taal', 'Swara' and 'Word' is called :

- | | |
|------------|---------------|
| (a) Sangit | (b) Prabandha |
| (c) Shruti | (d) Ragang |

(7) In Sangit-Ratnakar "Shuddha" and "Vikrut" swaras are in total :

- | | |
|----------------|---------------|
| (a) Twelve | (b) Nineteen |
| (c) Twenty one | (d) Seventeen |

(8) 'Grama' created from Shruti is written in the book called _____.

- | | |
|---------------------|-------------------|
| (a) Sangit-Parijaat | (b) Natya-Shastra |
| (c) Bruhad-deshi | (d) Sangit-Darpan |

- (9) Prabandha has total _____ Angas.
- (a) Two (b) Five
(c) Six (d) Eight
- (10) Pt. Sharangdeo has called 'Anibaddha Gaan' _____.
- (a) Alapti-Gaan (b) Ragalap
(c) Rupakalap (d) Ragang
- (11) Kinnari-Vina is invented by :
- (a) Matang (b) Narad
(c) Bharat (d) Ahobal
- (12) Which Bani of the following is not included in Dhrupad-Gayan style ?
- (a) Nauhar (b) Khandahar
(c) Sadharani (d) Dagur
- (13) There are _____ chapters in Sangit-Ratnakar.
- (a) Five (b) Seven
(c) Three (d) Four
- (14) The composer of "Rag-Tarangini" is :
- (a) Pt. Lochan (b) Bharat
(c) Ramamatya (d) Pundarik-Vitthal
- (15) Pt. Damodar Mishra had written a book _____ in 1625.
- (a) Sangit-Darpan (b) Sangit-Ratnakar
(c) Natya-Shastra (d) Bruhad-Deshi
- (16) Rag-Vibodh is written by Pt. Somnath in :
- (a) 1610 (b) 1512
(c) 1420 (d) 1300

AU-2341

M.A. (Part-I) (Semester-II) Examination
MUSIC (Vocal/Instrumental)
(Madhyakalin Bhartiya Sangitacha Itihas Va Shashtra)
(Upto 12 to 17 Century)

Paper—VIII

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहेत.

(2) आवश्यकतेनुसार आकृति काढा.

(3) सर्व प्रश्नाला समान गुण आहेत.

1. (अ) श्रुती व स्वर यांचा सहसंबंध सविस्तर स्पष्ट करा.

किंवा

(ब) पं. शारंगदेव आणि पं. अहोबल यांनी केलेल्या शुद्ध व विकृत स्वरांच्या स्थापनेचा सिद्धांत स्पष्ट करा.

16

2. (अ) प्रबंधाची परिभाषा व प्रकार विस्ताराने लिहा.

किंवा

(ब) मध्ययुगीन भारतीय संगीतावर पाश्चात्य संगीताचा होणारा प्रभाव स्पष्ट करा.

16

3. (अ) खालील ग्रंथाची सविस्तर माहिती लिहा :

(1) संगीत रत्नाकर

(2) संगीत दर्पण.

किंवा

(ब) निबद्धगान व अनिबद्ध गान यांचे सविस्तर विवेचन करा.

16

4. (अ) अष्टछाप संतकवींचा संगीतविषयक दृष्टिकोण स्पष्ट करा.

किंवा

(ब) मध्यकालीन ग्रंथांच्या आधारे खालील वाद्याची माहिती स्पष्ट करा :

(1) आलापीनी

(2) किन्नरी.

16

VOX—36558

4

(Contd.)

5. वस्तुनिष्ठ प्रश्न सोडवा :

- (1) प्रबंधाच्या अंतीम धातुला _____ म्हणतात.
 (अ) अभोग (ब) अंतरा
 (क) संचारी (ड) वादी
- (2) खालीलपैकी _____ या कवीचा अष्टछाप कवींमध्ये समावेश नाही.
 (अ) कृष्णदास (ब) सूरदास
 (क) हरीदास (ड) परमानंददास
- (3) पं. व्यंकटमखी हे _____ या ग्रंथाचे रचनाकार आहेत.
 (अ) संगीतरत्नाकर (ब) चतुर्दंडीप्रकाशीका
 (क) नाट्यशास्त्र (ड) बृहदेशी
- (4) अष्टछाप कवींची गायनशैली _____ ही होती.
 (अ) धृपद (ब) प्रबंध
 (क) ठूमरी (ड) ख्याल
- (5) देशी संगीताचे वर्णन सर्वप्रथम _____ या ग्रंथामध्ये आढळते.
 (अ) नाट्यशास्त्र (ब) बृहदेशी
 (क) संगीत पारिजात (ड) संगीतरत्नाकर
- (6) ताल, स्वर आणि शब्दांनी युक्त रचनेला _____ असे म्हणतात.
 (अ) संगीत (ब) प्रबंध
 (क) श्रुती (ड) रागांग
- (7) संगीतरत्नाकर या ग्रंथामध्ये शुद्ध व विकृत स्वर मिळून एकूण _____ स्वर सांगितले आहे.
 (अ) 12 (ब) 19
 (क) 21 (ड) 17
- (8) श्रुतीमधुन ग्रामाची निर्मिती _____ या ग्रंथामध्ये आढळते.
 (अ) संगीतपारिजात (ब) नाट्यशास्त्र
 (क) बृहदेशी (ड) संगीतदर्पण

- (9) प्रबंधाचे एकूण _____ अंग आहेत.
- (अ) दोन (ब) पाच
(क) सहा (ड) आठ
- (10) पं. शारंगदेव यांनी अनिबद्ध गानाला _____ असे संबोधिले आहे.
- (अ) आलाप्तीगान (ब) रागालाप
(क) रूपकालाप (ड) रागांग
- (11) किन्नरी विणेची निर्मिती _____ यांनी केली.
- (अ) मतंग (ब) नारद
(क) भरत (ड) अहोबल
- (12) खालीलपैकी कोणती 'बानी' धृपदगायन पद्धतीमध्ये समाविष्ट नाही ?
- (अ) नौहर (ब) खंडहार
(क) साधारणी (ड) डागुर
- (13) संगीतरत्नाकर या ग्रंथामध्ये एकूण _____ अध्याय आहेत.
- (अ) 5 (ब) 7
(क) 3 (ड) 4
- (14) 'रागतरंगिणी' या ग्रंथाचे रचनाकार _____.
- (अ) पं. लोचन (ब) भरत
(क) रामामात्य (ड) पुन्डरीक विठ्ठल
- (15) इ.स. 1625 मध्ये पं. दामोदर मिश्र यांनी _____ हा ग्रंथ लिहीला.
- (अ) संगीतदर्पण (ब) संगीतरत्नाकर
(क) नाट्यशास्त्र (ड) बृहदेशी
- (16) 'राग विबोध' या ग्रंथाची रचना _____ मध्ये पं. सोमनाथ यांनी केली.
- (अ) इ.स. 1610 (ब) इ.स. 1512
(क) इ.स. 1420 (ड) इ.स. 1300

AU-2341

M.A. (Part-I) (Semester-II) Examination
MUSIC (Vocal/Instrumental)
(Madhyakalin Bhartiya Sangitacha Itihas Va Shastra)
(Upto 12 to 17 Century)
Paper—VIII

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(2) आवश्यकतानुसार आकृति का प्रयोग करें।

(3) सभी प्रश्नों के समान गुण हैं।

1. (अ) श्रुति एवं स्वर इनके सहसंबंध को विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

अथवा

(ब) पं. शारंगदेव तथा पं. अहोबल के द्वारा किये गये शुद्ध व विकृत स्वरों के अध्ययन को स्पष्ट कीजिये।

16

2. (अ) प्रबंध की परिभाषा तथा प्रकारों को विस्तार से लिखिये।

अथवा

(ब) मध्ययुगीन भारतीय संगीत पर पाश्चात्य संगीत के प्रभाव को स्पष्ट कीजिये।

16

3. (अ) निम्नलिखित ग्रंथों की विस्तार से जानकारी लिखिये :

(1) संगीत रत्नाकर

(2) संगीत दर्पण।

अथवा

(ब) निबद्धगान व अनिबद्धगान का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिये।

16

4. (अ) अष्टछाप संतकवियों के संगीतविषयक दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

(ब) मध्यकालीन ग्रंथों के आधार पर निम्नांकित वाद्यों की जानकारी दीजिये :

(1) आलापीनी

(2) किन्नरी।

16

5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

- (1) प्रबंध की अंतिम धातु को _____ कहा जाता है।
 (अ) अभोग (ब) अंतरा
 (क) संचारी (ड) वादी
- (2) निम्नांकित कवियों में से _____ कवि का अष्टछाप कवियों में समावेश नहीं है।
 (अ) कृष्णदास (ब) सूरदास
 (क) हरीदास (ड) परमानंददास
- (3) पं. व्यंकटमखी _____ ग्रंथ के रचनाकार हैं।
 (अ) संगीत रत्नाकर (ब) चतुर्दंडी-प्रकाशिका
 (क) नाट्यशास्त्र (ड) बृहद्देशी
- (4) अष्टछाप कवियों की गायनशैली _____ रही है।
 (अ) ध्रुपद (ब) प्रबंध
 (क) ठूमरी (ड) ख्याल
- (5) देशी संगीत का वर्णन सर्वप्रथम _____ ग्रंथ में मिलता है।
 (अ) नाट्यशास्त्र (ब) बृहद्देशी
 (क) संगीत पारिजात (ड) संगीतरत्नाकर
- (6) ताल, स्वर और शब्दों से युक्त रचनाओं को _____ कहा जाता है।
 (अ) संगीत (ब) प्रबंध
 (क) श्रुति (ड) रागांग
- (7) संगीत रत्नाकर ग्रंथ में शुद्ध तथा विकृत स्वर कुल _____ बताये गये हैं।
 (अ) 12 (ब) 19
 (क) 21 (ड) 17
- (8) श्रुति से ग्राम की निर्मिती _____ ग्रंथ में मिलती है।
 (अ) संगीत पारिजात (ब) नाट्यशास्त्र
 (क) बृहद्देशी (ड) संगीत दर्पण

- (9) प्रबंध में कुल _____ अंग होते हैं।
 (अ) दो (ब) पांच
 (क) छः (ड) आठ
- (10) पं. शारंगदेव ने अनिबद्ध गान को _____ संबोधित किया है।
 (अ) आलापतीगान (ब) रागालाप
 (क) रूपकालाप (ड) रागांग
- (11) किन्नरी वीणा के आविष्कारक _____ हैं।
 (अ) मतंग (ब) नारद
 (क) भरत (ड) अहोबल
- (12) निम्नांकित कौनसी 'बानी' ध्रुपदगायन पद्धति में सम्मिलित नहीं है ?
 (अ) नौहर (ब) खंडहार
 (क) साधारणी (ड) डागुर
- (13) 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ में कुल _____ अध्याय हैं।
 (अ) 5 (ब) 7
 (क) 3 (ड) 4
- (14) 'राग-तरंगिणी' ग्रंथ के रचनाकार _____ हैं।
 (अ) पं. लोचन (ब) भरत
 (क) रामामात्य (ड) पुन्डरिक विठ्ठल
- (15) इ.स. 1625 में पं. दामोदर मिश्र ने _____ ग्रंथ लिखा।
 (अ) संगीत दर्पण (ब) संगीत रत्नाकर
 (क) नाट्यशास्त्र (ड) बृहदेशी
- (16) 'राग विबोध' इस ग्रंथ का प्रणयन _____ में पं. सोमनाथ द्वारा किया गया।
 (अ) इ.स. 1610 (ब) इ.स. 1512
 (क) इ.स. 1420 (ड) इ.स. 1300

